

नवजात की सौदेबाजी : 7 दिन के बच्चे को 6 लाख में बेचने की कोशिश, पांच गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां महज सात दिन के एक नवजात शिशु को 6 लाख रुपये में बेचने की कोशिश करते हुए पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शहर पुलिस की एटी ह्युमन ट्रैफिकिंग सेल ने खुफिया सूचना के आधार पर की। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात पश्चिम इलाके में एक होटल के पास जाल बिछाया गया। गिरोह की गतिविधियों की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक नकली ग्राहक (डिकॉय बायर) को इस्तेमाल किया। सौदे की शुरुआती पुष्टि के तौर पर गिरोह को 20 हजार रुपये यूपीआई के जरिए दिए गए, जबकि बाकी 5.8 लाख रुपये नकद देने की बात तय हुई थी। जैसे ही डिकॉय ग्राहक ने सौदे की सूचना पुलिस को दी, टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और सभी पांच आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकर संभाजी मनोहर (36), रेशमा शाहाबुद्दीन शेख (35), इगतपुरी निवासी एजेंट नितिन संभाजी मनोहर (33) और शेखर गणेश जाधव (35) तथा मुंबई के मानखुर्द निवासी एजेंट आसिफ चांद खान (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरोह की एक अन्य सदस्य सबीना फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह मामला केवल एक नवजात तक सीमित नहीं हो सकता, बल्कि इसके पीछे शिशु तस्करी का बड़ा रैकेट सक्रिय हो सकता है, जिसमें निःसंतान दंपतियों को निशाना बनाया जाता है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, अब बच्चे की जैविक मां की पहचान की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि क्या किसी अस्पताल या नर्सिंग होम की इसमें भूमिका है। बरामद नवजात को फिलहाल एक विशेष देखभाल केंद्र में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

वायु प्रदूषण बन रहा बड़ा स्वास्थ्य संकट, अस्पतालों में बढ़ी नए मरीजों की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वायु प्रदूषण कोविड- 19 महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बन गया है। ब्रिटेन में काम करने वाले भारत के कई सीनियर डॉक्टरों ने इसको लेकर चिंता जाहिर की और दावा किया है। डॉक्टरों ने कहा कि आने वाले सालों में प्रदूषण से लोगों की सेहत और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। अगर तत्काल ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या हर साल और गंभीर होती जाएगी। पिछले 10 सालों में हृदय रोगों में बढ़ोतरी को मोटापे से जोड़ा गया, लेकिन इसमें कारों और विमानों से निकलने वाले जहरीले तत्वों की बड़ी भूमिका है। भारत सरकार की कोविड- 19 एंडाइनजरी कमेटी के पूर्व सदस्य मनीष गोयल ने कहा कि वायु प्रदूषण पर सरकार का फोकस जरूरी है, लेकिन इसमें काफ़ी देरी हो चुकी है।उत्तर भारत में रहने वाले लाखों लोगों में नुकसान पहले ही हो चुका है। जो इलाज हो रहा है, वह समस्या का केवल एक छेदा हिस्सा है। सिरदर्द, थकान, हल्की खांसी, गले में जलन, पाचन संबंधी दिक्कत, आंखों में सूखापन, त्वचा पर रंज और बार-बार संक्रमण जैसे शुरुआती लक्षण अक्सर मामूली समझकर नजरअंजक कर दिए जाते हैं, जबकि ये गंभीर बीमारियों के संकेत हो सकते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक दिसंबर में दिल्ली के अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या में 20 से 30फीसदी बढ़ी है। इसमें कई युवा और पहली बार इलाज कराने वाले मरीज शामिल थे।

अभिनेत्री पर्णा मित्रा टीएमसी में शामिल, बंगाल चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव पहले ही नेताओं के एक से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है।शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुकी बंगाली अभिनेत्री पर्णा मित्रा ने पार्टी छोड़ दी। पर्णा मित्रा ने बीजेपी छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री पर्णा मित्रा ने कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से टीएमसी की सदस्यता ग्रहण कर ली। टीएमसी में पहुंचते ही पर्णा ने अपने बीजेपी में शामिल होने के फैसले को गलती बताया है। उन्होंने कहा कि अब उन गलतियों को सुधारने का समय है। बंगाली अभिनेत्री पर्णा ने सीएम ममता बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी शामिल करने को अपने लिए बड़ा मौका भी बताया। उन्होंने बीजेपी को लेकर कहा कि छह साल पहले मैं बीजेपी में शामिल हुई थी। वहां चीजें ठीक नहीं थीं। गौरवचर है कि पर्णा मित्रा बंगाल में टीवी का लोकप्रिय चेहरा हैं। बीजेपी ने 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में पर्णा को उम्मीदवार भी बनाया था।हालांकि, पर्णा मित्रा तब चुनाव हार गई थीं। चुनाव प्रचार के दौरान उनके काफ़िले पर हमले की घटना भी हुई थी, जिसके बाद सियासत गर्मा गई थी।

सेंगर को जमानत के विरोध में कोर्ट के बाहर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर उत्राव रेप केच में दोषी पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को मिली सशर्त जमानत के खिलाफ महिलाओं और अन्य प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।उत्राव रेप पीड़िता के परिवार और महिला कार्यकर्ताओं ने कोर्ट परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वहां विधेय प्रदर्शन गैर-कानूनी है और प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर जाने की सलाह दी। पीड़िता की मां ने जमानत को अंधधुंताकर कहा कि वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने कहा कि सेंगर की जमानत तुरंत खारिज होनी चाहिए और यदि न्याय नहीं मिला तो वे अन्य देशों में भी कानूनी उपाय ढूंढेंगी। महिला कार्यकर्ता योगिता भयाना ने बताया कि वे शांतिपूर्वक न्याय की मांग लेकर आई हैं और अगर याचिका पर सुनवाई नहीं हुई, तब विरोध किया जाएगा। कांग्रेस नेता मुस्ताज पटेल ने हाईकोर्ट के फैसले की आलोचना कर इस महिलाओं के आत्मविश्वास को कम करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सेंगर को तकनीकी कारणों से त्वंतिन चिट देना देश में गलत मिसाल खिंचत करता है। दरअसल दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत दी है, जबकि वह फिलहाल नाबालिग से रेप और पिता की हत्या मामलों में जेल में है। जमानत शर्तों में 15 लाख रुपये का बैंड बाँट जमा करना शामिल है। सेंगर को पीड़िता के 5 किलोमीटर के इलाके में नहीं जाने और परिवार से संपर्क न करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पिता की हत्या के मामले में उनका जेल में ही रहना तय है और दिल्ली हाईकोर्ट में अपील लंबित है।

हाईकोर्ट ने कहा- भारत में भी बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के उपायों पर करें विचार

चैन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की आसानी से उपलब्धता को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि वह ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करें। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन और न्यायमूर्ति के. के. रामकृष्णन की पीठ ने माना कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चे बेहद संवेदनशील और असुरक्षित स्थिति में हैं, जिन्हें इंटरनेट के खतरों से बचाना अनिवार्य है।

यह मामला वर्ष 2018 में मद्रुरै निवासी एस. विजयकुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को पेरेंटल कंट्रोल या पेरेंटल विंडो जैसी सेवाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि बच्चों को पोर्नोग्राफिक और आपत्तिजनक सामग्री तक पहुंचने से रोका जा सके। सुनवाई के दौरान

महाराणा प्रताप पर टिप्पणी के बाद पंजाब के राज्यपाल को मिली जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को जान से मारने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया पर दी गई इस धमकी का कुछ लोग समर्थन करते भी नजर आए रहे हैं। ये धमकी क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत के नाम से की गई एक पोस्ट में कटारिया के खिलाफ अपमानजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया है।

यह धमकी तीन दिन पहले उदयपुर जिले के गोगुंदा क्षेत्र में महाराणा प्रताप को लेकर दिए गए कटारिया के बयान के बाद सामने आई है। बता दें कि 22 दिसंबर को गोगुंदा में एक कार्यक्रम के दौरान कटारिया ने महाराणा प्रताप और उनके शासन को लेकर बयान दिया था, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पुलिस ने साफ किया है कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की धमकी या भड़काऊ बयानबाजी को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कटारिया के इस बयान को लेकर विभिन्न संगठनों और लोगों में नाराजगी



याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने ऑस्ट्रेलिया के उस हालिया कानून का उदाहरण दिया, जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अदालत ने इस तर्क से सहमत जताते हुए कहा कि भारत पहुंचने से रोका जा सके। सुनवाई के दौरान

आवश्यकता हो सकती है। अदालत ने सख्त रख अपनाते हुए कहा कि संबंधित प्राधिकरणों और बाल अधिकार संरक्षण आयोगों द्वारा पेश किए गए हलफनामे यह विश्वास दिलाने में विफल रहे हैं कि वे अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी तरह निर्वहन कर रहे हैं। पीठ

देखी जा रही है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग धमकी भरी पोस्ट का समर्थन करते भी नजर आए, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। हालांकि, अब तक राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की ओर से इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई है। कटारिया ने भी इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इस बीच उदयपुर के पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है और सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पोस्ट किस अकाउंट से और किन हालात में की गई थी, साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कहीं इसके पीछे किसी साजिश या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का इरादा तो नहीं है।

वहीं सैम पित्रोदा ने बीजेपी के राहुल गांधी पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। जर्मनी दौर की टाईमिंग पर उन्होंने कहा कि विदेश यात्राएं अचानक तय नहीं होतीं, बल्कि महीनों पहले से उनका कार्यक्रम बनता है। राहुल गांधी पर विदेश जाकर भारत की छवि खराब करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सच तो सच होता

अरावली पहाड़ी मामला: जयराम रमेश ने उठाए सवाल कहा- ये केवल विनाशकारी कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने अरावली पर्वतमाला को लेकर मोदी सरकार द्वारा दी गई नई परिभाषा पर कड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने इसे न केवल विशेषज्ञों की राय के विरुद्ध, बल्कि खतरनाक और पर्यावरण के लिए विनाशकारी बताया है।

जयराम रमेश ने फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) के आधिकारिक और प्रामाणिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अरावली को ऊँचाई के आधार पर परिभाषित करना पूरी तरह से अवैज्ञानिक और संदिग्ध है। एफएसआई के अनुसार, 20 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली अरावली पहाड़ियों में से केवल 8.7 प्रतिशत ही 100 मीटर से अधिक ऊँची हैं। वहीं, यदि एफएसआई द्वारा चिह्नित सभी अरावली पहाड़ियों को शामिल किया जाए, तो उनमें से 1 प्रतिशत से भी कम 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली हैं।

एफएसआई का स्पष्ट और संतुलित मत है कि ऊँचाई के आधार पर सीमाएं तय करना उचित नहीं है, और अरावली की पूरी पर्वतमाला चाहे



उसकी ऊँचाई कुछ भी हो उसको संरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन सरकार की नई परिभाषा इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दे रही है। क्षेत्रफल के लिहाज से इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि सरकार की नई परिभाषा लागू होने पर अरावली का 90 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा संरक्षण से बाहर हो जाएगा। इससे यह क्षेत्र हिस्सा, रियल एस्टेट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोल दिया जाएगा, जो पहले से ही गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त इस नाजूक पारिस्थितिकी तंत्र पर और भी गहरा आघात पहुंचाएगा।

जयराम रमेश ने इसे मोदी सरकार द्वारा पारिस्थितिक संतुलन पर सुनिश्चित हमले का

एक और उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदूषण मानकों को कमजोर करने, पर्यावरण और वन कानूनों को शिथिल करने, तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और नई पर्यावरणीय शासन से जुड़ी संस्थाओं को निष्प्रभावी करने की उसी नीति का हिस्सा है, जो पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिली है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा वैश्विक मंचों पर पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को लेकर दिए जाने वाले भाषणों और देश के भीतर जमीन पर किए जा रहे कार्यों के बीच कोई तालमेल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरित नेतृत्व की बात करने वाली सरकार, देश के भीतर प्राकृतिक धरोहरों को कमजोर करने वाले फैसले ले रही है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि अरावली पर्वतमाला न केवल उत्तर भारत के भूजल संरक्षण, वायु शुद्धिकरण और जलवायु संतुलन के लिए अहम है, बल्कि यह दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र को मरुस्थलीकरण से बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में संरक्षण को सीमित करना दीर्घकालिक पर्यावरणीय संकट को जन्म दे सकता है।

कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से ट्रेनों के संचालन में दिक्कत आ रही है। रेलवे प्रशासन यात्रियों को अपडेटेड जानकारी प्राप्त करने की सलाह दे रहा है।

दो घंटे से अधिक लेट चलने वाली ट्रेनों में रक्सौल-आनंद विहार टर्मिनल सद्धानवा एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनल सप्त ऋति एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बलिया-आनंद विहार टर्मिनल सुपरफास्ट विशेष सवा चार घंटे, बनारस-आनंद विहार टर्मिनल गरीब रथ एक्सप्रेस, सवा दो घंटे, रीवा-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस छह घंटे, मधुपुर-आनंद विहार टर्मिनल बालू बैधनाथ धाम देवघर एक्सप्रेस पौने सात घंटे, हल्दिया-आनंद विहार टर्मिनल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा है कि अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं और दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा व जरूरी कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए। मरूमलार्ची द्रविड मुनेत्र कणम (एमडीएमके) महासचिव वाइको और एक्टर से नेता बने विजय के नेतृत्व वाले तमिलनाा वेत्री कणम (टीवीके) ने भी ईसाई पूजा स्थलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की निंदा की। स्टालिन ने कहा कि बहुसंख्यक लोगों की सच्ची ताकत और चरित्र अल्पसंख्यकों को भयमुक्त जीवन जीने देने में निहित है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह बहुसंख्यक होने के नाम पर हमले व दंगे करते हैं, वह भी ऐसे समय में जब पीएम मोदी क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे हैं। यह राष्ट्र को एक चिंताजनक संदेश देता है। सीएम

साप्ताहिक सुपरफास्ट छह घंटे, दानापुर-आनंद विहार टर्मिनल जनसाधारण एक्सप्रेस छह घंटे, बनारस-नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, बल्लिदानी कैप्टन तुषार महानज ऊधमपुर-कोटा एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, कानपुर-नई दिल्ली श्रम शक्ति एक्सप्रेस चार घंटे, राजगीर-नई दिल्ली श्रमजीवी एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली संपर्क ऋति एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली एक्सप्रेस सवा साढ़े चार घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली हरमसफर एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, गोरखपुर-बॉटिङ गोरखधाम एक्सप्रेस साढ़े पांच घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली प्रयागराज एक्सप्रेस चार घंटे लेट चल रही है। वहीं सीएसएमटी-अमृतसर एक्सप्रेस आठ घंटे, राबंद नगर-नई दिल्ली राजधानी



स्टालिन ने कहा कि मणिपुर के बाद, जबलपुर, रायपुर और अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरें सद्भाव को महत्व देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए समाज को बांटने वाले दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा और जरूरी कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

सीएम स्टालिन ने केंद्र में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में 74 फीसदी की वृद्धि का

एक्सप्रेस सवा चार घंटे, ललित ग्राम-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस सवा चार घंटे, बनारस-नई दिल्ली शिव गंगा एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर विशेष आठ घंटे, डिब्रुगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रे ढाई घंटे, सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, बरोनी-नई दिल्ली हमसफर विशेष चार घंटे, रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस तीन घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली कोलकाता राजधानी साढ़े चार घंटे, वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली तेजस एक्सप्रेस आठ घंटे, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस छह घंटे, लोकमान्य धारक टर्मिनल मुंबई-हरिद्वार एसी एक्सप्रेस सात घंटे।

प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पौने चार घंटे, मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़-पुरानी दिल्ली पञ्चावत एक्सप्रेस चार घंटे, बलुरघाट-बॉटिङ परब्रक्षा एक्सप्रेस सवा छह घंटे, प्रयागराज-चंडीगढ़ ऊंचावार एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे, कामछा-पुरानी दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल, पौने आठ घंटे, आजमगढ़-पुरानी दिल्ली कैफियत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, कटिहार-पुरानी दिल्ली चंपारण एक्सप्रेस ट्रेनें लेट चली रही है।

वहीं सवा नौ घंटे, देरी से रवाना होने वाली ट्रेनों में नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रे सवा चार घंटे, नई दिल्ली-सोगरिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस पौने पांच घंटे नई दिल्ली-राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस एक घंटे, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष पांच घंटे लेट चल रही है।

पावर सेंटर 10 सर्कुलर रोड से लालू परिवार की विदाई, रातों रात खाली हुआ राबड़ी का आवास



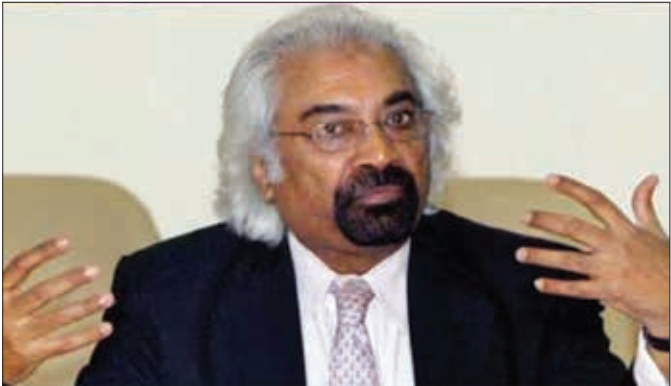
पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी सरकारी आवास और बिहार की सियासत में करीब दो दशकों तक सत्ता और विपक्ष की घुरी रहा 10 सर्कुलर रोड बंगला अब खाली होने होने लगा है। राबड़ी देवी को राज्य सरकार द्वारा जारी नोटिस के बाद अब वहां से सामान शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुर्गुवार देर रात इस आवास से पिक-अप वैन के जरिए सामान बाहर निकलते देखा गया, जिसमें राजनीतिक गतिायारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह समाना किस स्थान पर भेजा गया है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, देर रात तक पिकअप वाहनों की आवाजाही जारी रही। नई सरकार के गठन के बाद भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को एक महीने पहले बंगला खाली कराने का निर्देश दिया था। 2006 से 10 सर्कुलर आवास में रह रहे लालू परिवार के लिए सरकार ने हाईड्रि रोड में नया आवास आवंटित किया है। हालांकि, तब आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष मंमनी लाल मंडल ने इस आदेश का कड़ा विरोध किया था और इसे राजनीतिक विद्देश बताया था। लेकिन अब सामान की शिफ्टिंग से स्पष्ट हो गया है कि परिवार ने बंगला खाली करने का मन बना लिया है। साल 2005 में सत्ता गंवाने के बाद लालू-राबड़ी परिवार १ अणु मार्ग से निकलकर 10 सर्कुलर रोड में शिफ्ट हुआ था। तब से यह आवास राजद की हर छोटी-बड़ी गतिविधि का गवाह रहा है। इधर, पटना के महुआबाग इलाके में लालू-राबड़ी परिवार का निजी बंगला भी लगभग तैयार है। कहा जा रहा है कि भविष्य में लालू परिवार उसी निजी आवास में शिफ्ट हो सकता है।

राहुल गांधी के विदेश दौरों पर भारतीय दूतावास के अधिकारी रखते हैं नजर

-ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा का दावा

तिरुवंतमपुरम (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने दावा किया है कि राहुल गांधी के विदेश दौरों के दौरान भारतीय दूतावास के अधिकारी उन पर नजर रखते हैं और कई बार विदेशी नेताओं से उन्हें न मिलने को कहा जाता है। पित्रोदा ने राहुल गांधी के दौरे को लेकर यह दावा किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मैने खुद देखा है कि राहुल गांधी के होटल, मीटिंग्स और एयरपोर्ट पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। हालांकि इसके सबूत नहीं हैं, लेकिन अनुभव के आधार पर यह बात कह रहा हूं।

वहीं सैम पित्रोदा ने बीजेपी के राहुल गांधी पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। जर्मनी दौर की टाईमिंग पर उन्होंने कहा कि विदेश यात्राएं अचानक तय नहीं होतीं, बल्कि महीनों पहले से उनका कार्यक्रम बनता है। राहुल गांधी पर विदेश जाकर भारत की छवि खराब करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सच तो सच होता



है, चाहे वह भारत में बोला जाए या विदेश में। उबल स्टैंडर्ड नहीं हो सकते। जॉर्ज सोरोस और विदेशी फंडिंग से जुड़े आरोपों पर पित्रोदा ने कहा कि ये पूरी तरह बेबुनियाद हैं। राहुल गांधी या कांग्रेस का किसी भी तरह के एंटी-इंडिया नेटवर्क से कोई संबंध नहीं है। सब बकवास है। हम यूनिवर्सिटी जाते हैं, पब्लिक स्पेस में बात करते हैं। कौन किससे

जुड़ा है, हमें पता है और न हमें फर्क पड़ता है। क्रिसमस के दौरान चर्चों पर हमलों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की हिंसा की समाज में कोई जगह नहीं है। ऐसी घटनाएं भारत की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। और यह नफरत का नतीजा है।

सैम पित्रोदा ने कहा कि मनरेगा की जगह

अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं, दंगाइयों पर अंकुश लगाना जरूरी: सीएम स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा है कि अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं और दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा व जरूरी कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए। मरूमलार्ची द्रविड मुनेत्र कणम (एमडीएमके) महासचिव वाइको और एक्टर से नेता बने विजय के नेतृत्व वाले तमिलनाा वेत्री कणम (टीवीके) ने भी ईसाई पूजा स्थलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की निंदा की। स्टालिन ने कहा कि बहुसंख्यक लोगों की सच्ची ताकत और चरित्र अल्पसंख्यकों को भयमुक्त जीवन जीने देने में निहित है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह बहुसंख्यक होने के नाम पर हमले व दंगे करते हैं, वह भी ऐसे समय में जब पीएम मोदी क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे हैं। यह राष्ट्र को एक चिंताजनक संदेश देता है। सीएम

दावा करते हुए कहा कि यह 'गंभीर खतरे' का संकेत है। वाइको ने रायपुर और जबलपुर समेत कई स्थानों पर गिरजाघरों व ईसाइयों को निशाना बनाने वाली 'हिंदुत्ववादी बीड़' की कड़ी निंदा की और संबंधित राज्य सरकारों से हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। टीवीके के प्रचार महासचिव के जी अरुणराज ने गिरजाघरों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए पीएम मोदी से इन कृत्यों की निंदा करने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

सलमान खान के साथ नजर आए एमएस धोनी और एपी ढिल्लो

बॉलीवुड, क्रिकेट और म्यूजिक- तीनों दुनियाओं के दिग्गज जब एक ही फ्रेम में नजर आ जाए, तो फैस का एक्साइटेट होना लाजमी है। कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब हाल ही में एक श्रौबैक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसमें सलमान खान, महेंद्र सिंह धोनी और मशहूर सिंगर एपी ढिल्लो एक साथ नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर सलमान खान के पनवेल फार्महाउस की है और इसे उनके जीजा अतुल अग्निहोत्री ने शेयर किया है। सलमान, धोनी और एपी की श्रौबैक तस्वीर यह खास तस्वीर सलमान खान के 60वें जन्मदिन से पहले शेयर की गई, जिसने फैस के बीच जबरदस्त हलचल मचा दी।

फोटो में तीनों सितारे पूरी तरह कीचड़ से सने हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उनके चेहरे पर मुस्कान और वॉकिंग साफ झलक रही है। बताया जा रहा है कि यह तस्वीर एक ऑल-टेन व्हीकल (ATV) राइड के बाद की है, जिसमें तीनों ने फार्महाउस में जमकर मस्ती करने के बाद एक साथ पोज दिया। तस्वीर में सलमान खान दाईं ओर खड़े नजर आते हैं, जबकि बाईं ओर भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में शुमार एमएस धोनी दिखाई देते हैं। बीच में पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के सुपरस्टार एपी ढिल्लो हैं। सलमान के कई दोस्त अब तक आ चुके नजर पनवेल स्थित सलमान खान का फार्महाउस लंबे समय से उनके करीबी दोस्तों और परिवार के लिए सुकून भरी जगह रहा है। यहां अक्सर निजी गेट-टुगेदर, बर्थडे सेलिब्रेशन और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की तस्वीरें सामने आती रहती हैं। हालांकि, इस बार की खासियत यह रही कि इस फ्रेम में सिम्राना, खेल और म्यूजिक- तीनों फील्ड के बड़े नाम एक साथ नजर आए। फैस ने तस्वीर पर लुटया प्यार अतुल अग्निहोत्री द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इस तस्वीर पर फैस ने जमकर प्यार लुटया। कई यूजर्स ने इन तीनों दिग्गजों को देखने के बाद कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान खान और एमएस धोनी एक साथ- ये फ्रेम ही इतिहास है।' वहीं दूसरे फैस ने कहा, 'कीचड़ में भी भाईजान, माही और एपी ढिल्लो सुपरस्टार ही लग रहे हैं।'

छह साल बाद टीवी पर लौटीं निया शर्मा



निया शर्मा, पूरे 6 साल बाद जी टीवी पर वापसी कर रही हैं। और यह वापसी निया शर्मा जी टीवी साल 2026 का स्वागत 'जी रिश्तों का मेला' न्यू ईयर स्पेशल के साथ कर रही हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए निया ने कहा, 'जी टीवी पर वापस आना मेरे लिए बहुत खास है। जब मैंने 'जमाई राजा' के साथ जी जॉइन किया था, तब मैं

सिर्फ 23 साल की थी। आज 13 14 साल बाद ऐसा लग रहा है जैसे जिंदगी एक पूरा चक्कर लगाकर वापस उसी जगह आ गई हो। लोग आज भी मुझे रोशनी के नाम से जानते हैं और यही बताता है कि इस शो और इस चैनल ने मुझे कितना कुछ दिया है।' निया ने यह भी बताया कि जिस तरह से उनका स्वागत किया गया, उसने उन्हें हैरान कर दिया। जी परिवार के एक अपने सदस्य की तरह उन्हें अपनाया गया और पूरे कलाकारों के साथ करीब सात मिनट की लंबी परफॉर्मेंस करना, यह सब उनके लिए बेहद खास रहा। निया ने आगे कहा, 'किसी भी इंसान के लिए सम्मान सबसे जरूरी होता है और जी ने मुझे वही एहसास दिया। बिल्कुल परिवार जैसा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतने सालों बाद भी मुझे इतना प्यार मिलेगा। इन शोज ने हमें हमारी पहचान दी है और इतनी कम उम्र में मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं हमेशा जी की आभारी रहूंगी। 'जी रिश्तों का मेला' न्यू ईयर स्पेशल में निया सिर्फ एक परफॉर्मेंस तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि वो जी परिवार के साथ मिलकर एक बड़े म्यूजिकल सेलिब्रेशन का हिस्सा बनेंगी। यह शाम जी टीवी के पुराने फेस्टिवल जश्नों की याद दिलाएगी। निया ने बताया कि इस खास शाम में मस्ती भरी परफॉर्मेंस, पुराने चेहरों की मुलाकात, हंसी मजाक और कई ऐसे पल होंगे, जो दर्शकों को लंबे समय तक याद रहेंगे।

यामी गौतम ने किए खुलासे, कहा- शादी का कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था



फिल्ममेकर आदित्य धर 'धुरंधर' की कामयाबी से खुश हैं। इसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और आर माधवन ने अहम किरदार निभाया है। हाल ही में आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने अपनी शादी के बारे में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनका रिश्ता बिना किसी फिल्मी ड्रामे के बेहतर बना। 'उरी' के सेट पर परवान चढ़ा रिश्ता ब्लूमस ऑफ बॉम्बे से बातचीत में यामी गौतम ने बताया कि उनका रिश्ता फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' के वक्त बेहतर हुआ। उन्होंने कहा 'ऐसा कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था कि वह कहें कि हम आपको प्रपोज करने जा रहे हैं। मुझे आदित्य धर की सादगी पसंद आई। मुझे बस ये पता था कि हम शादी करने जा रहे हैं। दोनों के परिवार हमें मिलाना चाहते थे और काफी खुश थे।' किस तरह की शादी चाहती थीं यामी? अभिनेत्री ने बताया 'मैं चाहती थी कि मेरी शादी इस तरह से हो कि कुछ परिवार के लोग हों। हर किसी का आशीर्वाद हो और हमारे आस-पास प्राकृतिक वातावरण हो। मैं चाहती थी कि जहां शादी हो वहां बैकग्राउंड में ऊंचे-ऊंचे देवदार के पेड़ हों, पहाड़ियां हों।' यामी ने किया खुद का मेकअप यामी गौतम ने बताया कि उन्होंने अपनी शादी को इतना आसान बनाया कि उन्होंने खुद का मेकअप किया। उन्होंने कहा 'मैंने अपना मेकअप खुद किया। मुझे लगा कि यह बहुत मुश्किल है, लेकिन यह काम आसान था। सुरीली ने मेरे बाल बनाए।' यामी ने की आदित्य धर की तारीफ आदित्य धर की तारीफ करते हुए यामी गौतम ने कहा 'वह ऐसे आदमी हैं जो आज के दौर में मिलना मुश्किल है। मैं जब 'आर्टिकल 370' का प्रमोशन कर रही थी, तब प्रेग्नेट थी। उस वक्त आदित्य धर यह पक्का करना चाहते थे कि मैं कम्फर्टेबल रहूं। इसलिए उन्होंने मुझे एक तकिया दिया।' यामी गौतम ने आगे बताया कि जब वह 'उरी' के सेट पर जमीन पर बैठकर खाना खा रही थीं, तब उन्होंने अपनी डायरेक्टर की कुर्सी ऑफर की।

'मिजापूर: द फिल्म' की शूटिंग जोरों पर, अली फजल ने राजस्थान को कहा 'दिल से शुक्रिया'

लोकप्रिय वेब सीरीज 'मिजापूर' ने पहले सीजन से ही दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। यही वजह है कि दर्शकों ने इसके सारे सीजन को दिल से प्यार दिया है। जल्द ही 'मिजापूर: द फिल्म' दर्शकों के सामने दस्तक देगी। इसकी शूटिंग राजस्थान में चल रही है। अभिनेता अली फजल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे अपने किरदार गुड्डू भैया के किरदार में चलते नजर आ रहे हैं। पोस्ट कर उन्होंने लिखा, "'मिजापूर: द फिल्म' की शूटिंग इस समय जारी है और राजस्थान का शेड्यूल चल रहा है। खास तौर पर जैसलमेर और जोधपुर के लोगों का दिल से धन्यवाद। आपने हमें बहुत प्यार और अमनपान दिया। साथ ही परिवार जैसा समझा।" उन्होंने आगे लिखा, "उन सभी होटलों का भी धन्यवाद जिन्होंने हमें घर जैसा महसूस कराया जब हम अपने घर से दूर मेहनत कर रहे थे। खम्मा घणौ।" पोस्ट देखकर फैस के मन में उत्साह की लहर दौड़ गई। वे अब इस प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि इस सीरीज के पहले सीजन ने फैस को दीवाना बना दिया था। कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), गुड्डू पोंड (अली फजल) और मुन्ना त्रिपाठी (दिव्येंद्रु शर्मा) जैसे किरदारों ने फैस के दिलों में खास पहचान बनाई थी, जो आज भी उस तरह बरकरार है। बताया जा रहा है कि 'मिजापूर' फिल्म में दमदार एक्शन और गंभी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंद्रु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। वेब सीरीज 'मिजापूर' का पहला सीजन 16 नवंबर, 2018 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। सीरीज की दीवानियत को देखते हुए मेकर्स ने इसका दूसरा सीजन 23 अक्टूबर, 2020 को स्ट्रीम किया था और 5 जुलाई, 2024 को अमेजन प्राइम वीडियो पर इसका तीसरा पार्ट रिलीज किया गया था।



'धुरंधर' में अपने भयानक किरदार को लेकर क्या सोचते हैं अर्जुन रामपाल? खुद किया बड़ा खुलासा

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। रणवीर सिंह की अदकारी वाली इस फिल्म में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन जैसे दमदार कलाकार नजर आ रहे हैं। अपनी मजबूत कहानी, जबरदस्त अभिनय और बेहतरीन म्यूजिक की वजह से इसे पूरे देश में दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 'धुरंधर' में अर्जुन रामपाल की भूमिका फिल्म में अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है, जो एक निर्दयी आईएसआई मास्टरमाइंड है। उनके इस रोल को लेकर काफी तारीफ हो रही है। ग्रेजिना इंडिया से बातचीत में अर्जुन रामपाल ने बताया कि इस तरह का किरदार निभाना उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल था। वह शूटिंग खत्म होते ही इस रोल से बाहर आना चाहते थे। किरदार से बाहर आना चाहते थे अर्जुन रामपाल अर्जुन रामपाल ने कहा 'मैं इस किरदार से जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलना चाहता था। वह फिल्म करना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि यह एक अहम कहानी पर बनी है। किसी घटना को बाहर से देखना अलग बात है, लेकिन पढ़ें के पीछे क्या हुआ, उसे दिखाना ज्यादा रोमांचक होता है। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत बुरा लगता था क्योंकि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूँ, लेकिन यही एक अभिनेता का काम होता है और उसे उस किरदार में पूरी तरह उतरना पड़ता है।' अगले साल रिलीज होगा सीक्वल 'धुरंधर' में भारत के स्पेशल एजेंट्स को बहादुरी दिखाई गई है। रणवीर सिंह इसमें एक निडर अंडरकवर जासूस की भूमिका में नजर आ रहे हैं। 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक 589 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। इस फिल्म का सीक्वल मार्च 2026 में रिलीज होगा।

'रिश्तों का मेला' को होस्ट करना मेरे लिए सच में बहुत खास था

जी रिश्तों का मेला एक बार फिर लौट आया है और इस बार जी कुटुंब 2026 का स्वागत बेहद भव्य और खास अंदाज में करने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्यू ईयर स्पेशल में जी टीवी के वो किरदार एक साथ नजर आएंगे, जिन्हें दर्शक सालों से पसंद करते आए हैं। ये शाम मनोरंजन, अनापन और ढेर सारी खुशियां लेकर आएगी। 31 दिसंबर को ऑन एयर होने वाला 'जी रिश्तों का मेला' : न्यू ईयर स्पेशल' मस्ती, म्यूजिक और यादगार पलों से सजा एक शानदार सेलिब्रेशन साबित होगाइस पूरे सेलिब्रेशन को और खास बनाती हैं श्रद्धा आर्य, जो इस न्यू ईयर स्पेशल को वह भानुशाली के साथ होस्ट करती नजर आएंगी। कुंडली भाग्य में प्रीता के अपने यादगार किरदार के लिए घर-घर में पहचानी जाने वाली श्रद्धा आज भी दर्शकों के दिलों में एक खास जगह रखती हैं।अपने अनुभव साझा करते हुए श्रद्धा आर्य कहती हैं, 'एक मां होने की जिम्मेदारी निभाने और शूटिंग के बीच बैलेंस बनाना मेरे लिए एक खूबसूरत सीख रहा है। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब सब थोड़ा भारी लगने लगता है और सेट पर रहते हुए बच्चों की बहुत याद आती है। शूटिंग करते वक्त भी दिल का एक हिस्सा हमेशा उनके साथ रहता है। लेकिन जब लंबे दिन के बाद घर लौटती हूँ और बच्चे मुझे कसकर गले लगाते हैं, तो सारी थकान पल भर में गायब हो जाती है। वही पल मुझे याद दिलाता है कि मैं दोनों दुनियाओं को साथ सभालने की कोशिश क्यों करती हूँ। घर और सेट, दोनों जगह से मिलने वाला प्यार और सपोर्ट मेरे सफर का आसान बना देता है। जी टीवी की टीम के साथ शूट करना सच में काम को आसान बना देता है। वे मेरी जर्नी समझते हैं, मेरे वक्त की कद्र करते हैं और वही सुकून मेरी परफॉर्मेंस में भी झलकता है। जी रिश्तों का मेला 2025 को होस्ट करना और जी टीवी फैमिली के साथ न्यू ईयर का स्वागत करना मेरे लिए सच में बहुत खास था। ये बिल्कुल एक बड़े जश्न जैसा लगा, जहां यादें थीं, जोश था और ढेर सारा प्यार था। सबसे प्यारी बात ये है कि आज भी सेट पर लोग मुझे प्रीता ही बुलाते हैं। कई बार तो लगता है जैसे 'कुंडली भाग्य' अभी भी चल रहा है और मैं उसी की शूटिंग कर रही हूँ। मुझे प्रीता होना बहुत पसंद है। इस किरदार ने मुझे जो प्यार, पहचान और अनापन दिया है, वो मेरे लिए हमेशा अनमोल रहेगा।



आजतक ऐसे अवतार में नजर नहीं आई रश्मिका मंदाना



रश्मिका मंदाना ने अब तक अपनी मासूम मुस्कान, चुलबुले किरदारों और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के दिल जीते हैं, लेकिन उनकी आने वाली पेन-इंडिया फिल्म 'मैसा' का टीजर यह साफ कर देता है कि अभिनेत्री अब अपने करियर के एक बिल्कुल नए और साहसी मोड़ पर कदम रख चुकी हैं। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में रश्मिका का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसने फैस और इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया है।टीजर में क्या कुछ आया नजर? टीजर की शुरुआत में ही आवाज सुनाई देती है जो बताती है कि ये कहानी एक ऐसी बेटी की है जो मौत के सामने झुकने से इनकार कर देती है। इसी भावनात्मक पृष्ठभूमि में रश्मिका का किरदार सामने आता है, जिसकी आंखों में गुस्सा, शरीर की भाषा में विद्रोह और चीख में वर्षों का दबा हुआ दर्द झलकता है। टीजर में रश्मिका मंदाना का यह रूप एक ऐसी महिला का है, जिसे हालात ने लड़ना सिखा दिया है। उनका उग्र लुक, मिट्टी से सना चेहरा और आक्रामक अंदाज इस ओर इशारा करता है कि 'मैसा' सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, प्रतिरोध और अस्तित्व की लड़ाई की कहानी है। रश्मिका मंदाना ने साझा किया टीजर सोशल मीडिया पर टीजर शेयर करते हुए रश्मिका ने खुद भी स्केट दिए कि दर्शकों ने अभी इस कहानी की सिर्फ झलक देखी है। उनका कहना था कि यह तो बस शुरुआत है और आने वाले महिनो में फिल्म की असली गहराई सामने आएगी। इससे साफ है कि मेकर्स इस प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे परते खोलते हुए दर्शकों तक लो जाना चाहते हैं। फिल्म 'मैसा' का निर्देशन 'मैसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुर्ले कर रहे हैं, जबकि इसे अनर्कमूली फिल्मस के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गॉड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है।